

18/5/16 (E)

[This Question Paper contains 3 printed pages.]

Sl. No. of Q. Paper 1408

आपका अनुक्रमांक

एम.ए. (हिंदी)/सेम. IV-2016

(G) विकल्प : आधुनिक हिंदी साहित्य

Paper-4073 (प्रश्नपत्र-4073)

आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ

(वर्ष 2012 से 2016 के पाठ्यक्रमानुसार)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. 'गोरा' में व्यक्त राष्ट्रवाद के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

अथवा

'गोरा' के प्रमुख पात्र अंतर्द्वंद्व से गुजरते दिखाई देते हैं।' इस कथन पर विचार कीजिए।

14

2. 'संस्कार' उपन्यास में व्यक्त स्त्री-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'संस्कार' के आधार पर भारतीय ग्रामीण संवेदाना का विश्लेषण कीजिए।

14

3. 'फैज़ अहमद फैज़ की शायरी संघर्ष की शायरी है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

'फैज़ की शायरी राष्ट्र की कैद से आज़ाद है।' इस कथन पर अपना मत व्यक्त कीजिए।

14

4. 'घासीराम कोतवाल' में व्यक्त सत्ता-संघर्ष पर विचार कीजिए।

अथवा

'घासीराम कोतवाल' में चरित्र-निर्माण की प्रक्रिया को उद्घाटित कीजिए।

14

5. निम्नलिखित अंशों का संदर्भ सहित आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए:

(क) भारतवर्ष की स्वाधीनता के लिए भविष्य में किसी एक दिन लड़ाई आरंभ होगी, तुम लोग इसी पर अपनी किस्मत छोड़कर निश्चित बैठे हो। मैं कहता हूँ, लड़ाई आरंभ हो गई है। हर क्षण लड़ाई हो रही है।

अथवा

एक मशाल उसके मन में धकाधक जल रहा था। वह वहाँ सड़ रहा है, जिसका पैर फूल गया है, वह उसका प्रेमी नारणप्पा नहीं है। वह ब्राह्मण नहीं है, शुद्ध भी नहीं है।

- (ख) हम भी उन्हीं सपनों को देखते हैं इसीलिए तो तुम से कहते हैं घासीराम, हमारी तरफ से धर्मपत्नी को दिलासा देना। रव्ना हमने उसकी बेटी का जिम्मा दिया।

अथवा

मैंने समझा था तू है तो दरखाँ है हयात
तेरा गम है तो गमे-बदर का झगड़ा क्या है
तेरी सूरत से है आलम में बहारों का सबात
तेरी आँखों के सिवा दुनिया में रक्खा क्या है?

7, 7